आशिकी पे आपकी वारी जायें हम
मिल गए हो माया में,भूले सारे गम

1– हमने तुमको पीठ दई फेर फेर फेर
आपने गले लगाया हमको बेर बेर
लाड तेरे इतने पिया सह सकें न हम

2– कहें कैसे मुख से तेरी मेहरबानीयां
हममें देखीं आपने क्या कदरदानियां
दे रहे हो सारा हमें अर्शे आनंद

3– तेरी इस अदा का पता अर्श में न था
समझ बैठी इश्क अपना वहाँ पे बड़ा
इप्तदाए इश्क का शक हुआ है खत्म

Nijanand App